आईसीडब्ल्यूए समाचार पत्रक

अंक 16 जनवरी-मार्च 2019

"बांग्लादेश में ग्यारहवें संसदीय चुनाव" पर गोलमेज चर्चा, सप्रू हाउस, 15 जनवरी, 2019

विश्व मामलों की भारतीय परिषद (आईसीडब्ल्यूए), नई दिल्ली द्वारा बांग्लादेश में ग्यारहवें संसदीय चुनावों पर एक गोलमेज चर्चा का आयोजन किया गया। सत्र की अध्यक्षता बांग्लादेश में पूर्व भारतीय उच्चायुक्त, राजदूत पिनाक रंजन चक्रवर्ती ने की और पैनल में चार सदस्य थे। जिसमें दक्षिण एशियाई अध्ययन केंद्र, जेएनयू के प्रोफेसर और अध्यक्ष, डॉ. संजय भारद्वाज, रक्षा अध्ययन और विश्लेषण संस्थान की शोध अध्येता, डॉ. स्मृति पट्टनायक, द टेलीग्राफ के वरिष्ठ संपादक, श्री जयंत रॉय चौधरी और आईसीडब्ल्यूए के शोध अध्येता डॉ. आशीष शुक्ला थे। आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक, राजदूत डॉ. टी. सी.ए. राघवन ने स्वागत भाषण दिया। प्रो. संजय भारद्वाज का विचार था कि शेख हसीना की जीत भारत-बांग्लादेश संबंधों के भविष्य के लिए अच्छी है। डॉ. स्मृति पट्टनायक ने चुनावी प्रक्रिया की विभिन्न कमियों को रेखांकित किया और चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल उठाए।

आईसीडब्ल्यूए की प्रमुख बातें

- सप्रू हाउस में "बांग्लादेश में ग्यारहवें संसदीय चुनाव" पर गोलमेज चर्चा
- आईसीडब्ल्यूए- विदेशी मामलों और व्यापार के संस्थान (आईएफएटी), सप्रू हाउस में हंगरी संवाद
- प्रथम आईबीएसए गांधी-मंडेला स्मारक स्वतंत्रता व्याख्यान
- सप्रू हाउस में द्वितीय आईसीडब्ल्यूए-एनसीडब्ल्यूए (विश्व मामलों की नेपाल परिषद) संवाद
- सप्रू हाउस में केन्या गणराज्य के विदेश मंत्रालय की कैबिनेट सचिव, महामहिम, राजदूत मोनिका के. जुमा, डी. फिल. सीबीएस द्वारा व्याख्यान
- सप्रू हाउस में गाम्बिया गणराज्य के विदेश मामलों, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और विदेश में रहने वाले गाम्बिया वासियों के मंत्री, महामहिम डॉ. ममाडू तंगारा द्वारा व्याख्यान
- तेहरान में प्रथम आईसीडब्ल्यूए-राजनीतिक और अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान (आईपीआईएस)
- सातवीं भारत-सऊदी अरब कार्यशाला

श्री जयंत रॉय चौधरी ने बांग्लादेश के चुनावी इतिहास का संक्षेप में वर्णन किया और उसके बाद शेख हसीना की जीत में योगदान करने वाले कारकों को रेखांकित किया। डॉ. आशीष शुक्ला ने अवामी लीग और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के बीच गैर-राजनीतिक चुनाव समय की कार्यवाहक सरकार पर चुनाव से पहले की खींचतान के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। सत्र के बाद चर्चा और प्रश्नोत्तर सत्र था

विला मेडिची, ताजमहल होटल में 4 जनवरी, 2019 को अफगानिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, महामहिम डॉ. हमदुल्लाह मोहिब द्वारा व्याख्यान

अफगानिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार महामहिम डॉ. हमदुल्ला मोहिब ने, 4 जनवरी, 2019 को विला मेडिची, द ताजमहल होटल में एक व्याख्यान दिया। यह व्याख्यान चैटम हाउस नियमों का पालन करते हुए दिया गया।

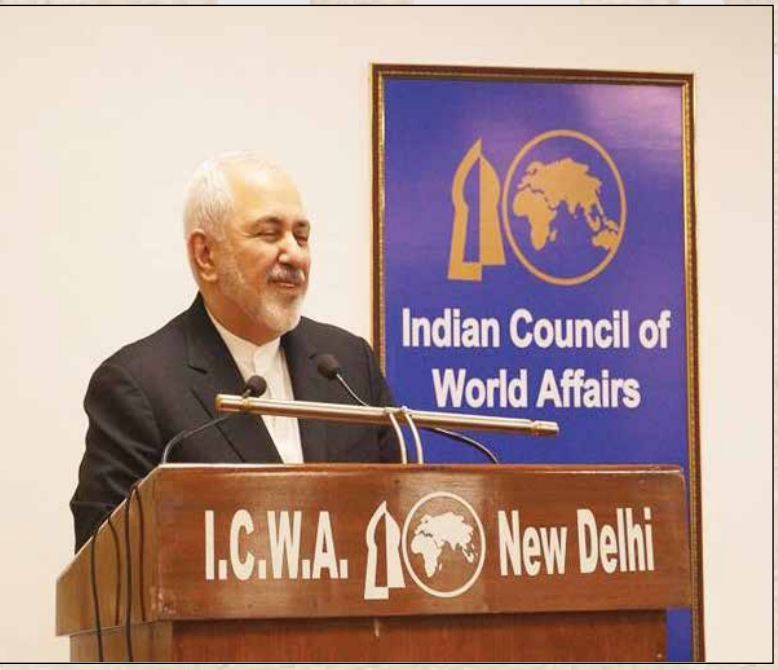

सप्रू हाउस में, 8 जनवरी, 2019 को, ईरान के इस्लामी गणतंत्र के माननीय विदेश मंत्री, महामहिम डॉ. मोहम्मद जवाद जरीफ के साथ बंद दरवाजे में इंटरएक्टिव सत्र

महामहिम डॉ. मोहम्मद जवाद जरीफ, सप्रू हाउस में 8 जनवरी, 2019 को ईरान के इस्लामी गणतंत्र के माननीय विदेश मंत्री के साथ बंद दरवाजे के पीछे एक इंटरएक्टिव सत्र आयोजित किया गया। वार्ता का विषय था '2019 के लिए ईरान का क्षेत्रीय और वैश्विक परिप्रेक्ष्य'। बातचीत का आयोजन चैटम हाउस नियमों के अनुसार किया गया था।

विश्व मामलों की भारतीय परिषद सप्रू हाउस में, 16 जनवरी, 2019 को वियतनामी अध्ययन समूह के साथ बातचीत

एक वियतनामी अध्ययन समूह ने, आईसीडब्ल्यूए के शोध अध्येताओं के साथ बातचीत करने के लिए 19 जनवरी, 2019 को सप्रू हाउस का दौरा किया। सत्र की अध्यक्षता आईसीडब्ल्यूए की संयुक्त सचिव सुश्री नूतन कपूर महावर ने की। वियतनाम नेशनल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ. डो थू हा ने वियतनामी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। प्रतिनिधिमंडल में वीएनयू के चार व्याख्याता, तेईस पूर्व-स्नातक और स्नातक छात्र शामिल थे। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज के भारत-प्रशांत अध्ययन केंद्र की प्रो. शंकरी सुंदररमन द्वारा वियतनामी प्रतिनिधिमंडल को लाया गया था। यह चर्चा, भारत और वियतनाम के बीच बढ़ते संबंधों और लोगों में परस्पर अधिक संपर्क की आवश्यकता पर केंद्रित रही।

आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस में 17 जनवरी, 2019 को प्रो. बद्रीनारायण के साथ बातचीत

आईसीडब्ल्यूए शोध अध्येताओं और सेंटर फॉर ग्लोबल ट्रेड एनालिसिस, पर्ड्यू यूनिवर्सिटी, अमेरिका के अनुसंधान अर्थशास्त्री और प्रबंधक, प्रो. बद्री नारायणन गोपालकृष्णन के बीच एक बातचीत का आयोजन किया गया। आईसीडब्ल्यूए की अनुसंधान निदेशक, डॉ. निवेदिता रे ने इस बातचीत की अध्यक्षता की। प्रो. बद्रीनारायण ने भारत में चल रहे कार्यों के बारे में बताया। उन्होंने व्यवस्थित रूप से आर्थिक माडलों (पैमानों) का उपयोग करते हुए अपने तर्क का विश्लेषण किया। व्याख्यान के बाद शोध अध्येताओं के साथ बातचीत बात हुई।

सप्रू हाउस में 21-22 जनवरी, 2019 को आईसीडब्ल्यूए, - इंस्टीट्यूट फॉर फॉरेन अफेयर्स एंड ट्रेड (आई.एफ.एटी), हंगरी संवाद

विश्व मामलों की भारतीय परिषद (आईसीडब्ल्यूए) - इंस्टीट्यूट फॉर फॉरेन अफेयर्स एंड ट्रेड (आईएफएटी) के लिए नई दिल्ली के सप्रू हाउस में 21-22 जनवरी 2019 को ''भारत-हंगरी संबंधों'' पर पहले संवाद का आयोजन किया गया था। दोनों संस्थान समझौता ज्ञापन भागीदार हैं। आईएफएटी ने भारत और हंगरी के बीच वैश्विक और द्विपक्षीय महत्व के परस्पर सहमति के मुद्दों पर बातचीत के लिए एक प्रतिनिधिमंडल भेजा। यह चर्चा प्रमुख वैश्विक, क्षेत्रीय और द्विपक्षीय राजनीतिक और रणनीतिक विकास तथा भारत-हंगरी संबंधों पर केंद्रित थी। इतिहास को ध्यान में रखते हुए, भारत और हंगरी के बीच के द्विपक्षीय संबंधों के मुख्य पहलुओं का विश्लेषण किया गया। बातचीत में दोनों पक्षों के नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और पूर्व राजनयिकों ने भाग लिया।

सप्रू हाउस में, 23 जनवरी, 2019 को चीन के सिंघुआ विश्वविद्यालय के चीनी प्रतिनिधिमंडल के साथ चर्चा

विश्व मामलों की भारतीय परिषद (आईसीडब्ल्यूए) ने 23 जनवरी, 2019 को सप्रू हाउस में प्रो. वांग शियाकिन, उपाध्यक्ष, सिंघुआ विश्वविद्यालय के 6 सदस्यीय चीनी प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत का आयोजन किया। चीनी प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्य थे- सिंघुआ विश्वविद्यालय पुस्तकालय के निदेशक, प्रो. वांग यूकियांग, डॉ. झांग चुआनजी, सिंघुआ विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और विनिमय कार्यालय की एसोसिएट डीन, सुश्री वांग याकियान, एशियाई विश्वविद्यालय एलायंस सचिवालय, सिंघुआ विश्वविद्यालय के नीति और कार्यक्रमों के प्रशासक, श्री लेई डिंगकुन और ओपी जिंदल विश्वविद्यालय, सोनीपत, भारत के साथ काम कर रहे श्री झी चाओ।

संयुक्त सचिव, सुश्री नूतन कपूर महावर ने आने वाले प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया और बातचीत की अध्यक्षता की। उन्होंने आईसीडब्ल्यूए की पिछली और वर्तमान गतिविधियों का विवरण दिया। आईसीडब्ल्यूए के शोध अध्येताओं डॉ. संजीव कुमार और डॉ. पूयम राकेश सिंह, द्वारा भारत-चीन थिंक टैंक (चिंतक समूह) के सहयोग और भारत-चीन संबंध पर संक्षिप्त टिप्पणी की थी।. प्रो. वांग यूकियांग और प्रतिनिधि मंडल के अन्य सदस्यों ने सिंघुआ विश्वविद्यालय पुस्तकालय की गतिविधियों सहित इतिहास और सिंघुआ विश्वविद्यालय की वर्तमान गतिविधियों पर बातचीत की। दोनों पक्षों ने भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने का पक्ष लिया और कहा कि इस बातचीत ने एक-दूसरे के संस्थान को बेहतर तरीके से जानने का अवसर प्रदान किया।

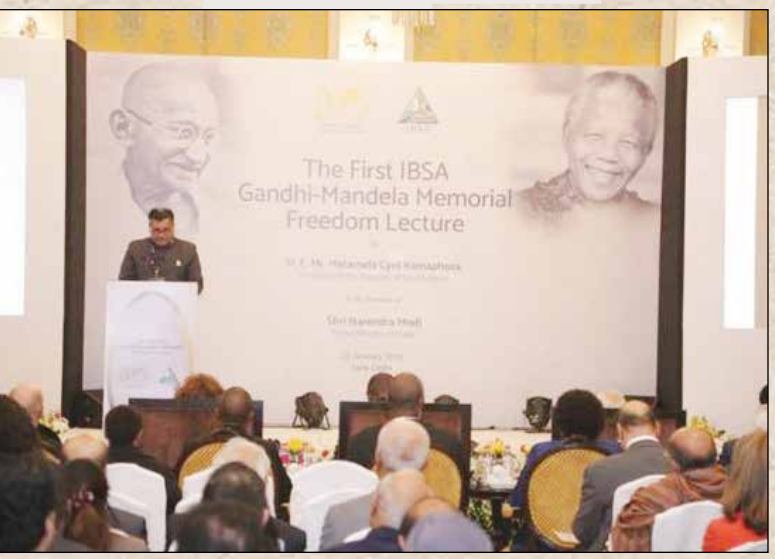

दक्षिण अफ्रीका गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम श्री मटामेला सिरिल रामपफोसा द्वारा 25 जनवरी, 2019 को प्रथम आईबीएसए गांधी-मंडेला स्मारक स्वतंत्रता व्याख्यान

विश्व मामलों की भारतीय परिषद ने, 25 जनवरी, 2019 को ग्रैंड बॉल रूम, लीला पैलेस होटल में प्रथम आईबीएसए गांधी-मंडेला स्मारक स्वतंत्रता व्याख्यान का आयोजन किया। इसने महात्मा गांधी के जन्म और नेल्सन मंडेला की जन्म शताब्दी के 150 वर्ष पूरे होने का उतत्सव मनाया। दक्षिण अफ्रीका गणराज्य के राष्ट्रपति, महामहिम श्री मटामेला सिरिल रामफोसा ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में यह व्याख्यान दिया। विश्व मामलों की भारतीय परिषद के महानिदेशक, डॉ. टी.सी.ए. राघवन ने स्वागत भाषण दिया। भारत में फेडरेटिव रिपब्लिक ऑफ ब्राजील के राजदूत, महामहिम श्री आंद्रे ए. कोरिया डो लागो ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

महामहिम राष्ट्रपति रामफोसा ने अपने भाषण में कहा कि 1994 से भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच के घनिष्ठ संबंध, 2010 में दक्षिण अफ्रीका के ब्रिक्स समूह में शामिल होने के बाद और गहरे हुए हैं। उन्होंने एफ्रो-एशियाई एकजुटता को 1997 में भारत की यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किए गए लाल किले घोषणा पत्र के राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला के विचारों की जड़ के रूप में वर्णित किया। राष्ट्रपति रामफॉसा ने, श्री मंडेला के 1980 में जेल से लिखे गए पत्र का उल्लेख किया और दक्षिण अफ्रीका के स्वतंत्रता के लिए संघर्ष में भारत के लोगों के प्रोत्साहन, प्रेरणा और व्यावहारिक सहायता को स्वीकार किया और धन्यवाद दिया।

उन्होंने प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की अफ्रीका के प्रति संवेदनशीलता का उल्लेख करते हुए पंडित जी के कथन ''अफ्रीका की त्रासदी किसी भी अन्य महाद्वीप की तुलना में अधिक है'' को याद किया। नेहरू का उद्धरण देते हुए, राष्ट्रपति रामफोसा ने एशिया और अफ्रीका को इतिहास के गर्भनाल से जुड़े ''सहयोगी महाद्वीप'' के रूप में वर्णित किया। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में भारतीय प्रवासियों की भूमिका पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया और उनकी गुलामी और रंगभेद की पूर्ववर्ती स्थिति की तुलना की। राष्ट्रपति रामफोसा ने दक्षिण अफ्रीका के बहुसांस्कृतिक समाज में दक्षिण अफ्रीकी भारतीय समुदाय की जीवंत संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों के समृद्ध योगदान को स्वीकार किया।

राष्ट्रपति रामफोसा ने अपनी पीढ़ी के दो महानतम नेताओं महात्मा गांधीजी और मदीबा (नेल्सन मंडेला) को श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति रामाफोसा ने प्रधानमंत्री मोदी की युगांडा यात्रा के दौरान घोषित दस मार्गदर्शक सिद्धांतों पर भी प्रकाश डाला, जो सभी के लाभ के लिए समान विकास साझेदारी पर बल देते हैं। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका मजबूत वाणिज्यिक और लोगों के बीच के परस्पर संबंधों के माध्यम से भारत के साथ संबंधों को गहरा करने के लिए तत्पर है। दोनों देशों को एक दूसरे की अर्थव्यवस्थाओं में बढ़ते व्यापार और बढ़ते निवेश पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि गरीबी से मुक्त विश्व की खोज में भारत और दक्षिण अफ्रीका ब्रिक्स, आईबीएसए, आईओआरए, एनएएम, जी20 और जी77 व चीन जैसे मंचों पर साथ काम करना जारी रखेंगे। व्याख्यान में राजनयिक वाहिनी के सदस्यों, चिंतकों, शिक्षाविदों, छात्रों, मीडिया और सरकारी अधिकारियों सहित लगभग 300 लोगों ने भाग लिया।

सप्रू हाउस में 5 फरवरी, 2019 को दूसरा आईसीडब्ल्यूए-एनसीडब्ल्यूए संवाद

'भारत-नेपाल संबंध' राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक सहयोगष पर दूसरा आईसीडब्ल्यूए-एनसीडब्ल्यूए संवाद 5 फरवरी 2019 को सप्रू हाउस में आयोजित किया गया था। आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक, डॉ. टी.सी.ए. राघवन ने राजनीतिक अस्थिरता के एक चक्र के बाद नेपाल सहित दक्षिण एशिया में चुनावी प्रक्रिया के माध्यम से राजनीतिक संस्थानों को मजबूत करने की दिशा में चल रहे सामान्य रुझान पर प्रकाश डाला, जो 2017 के आम चुनावों के साथ समाप्त हुआ है। नेपाल के विश्व मामलों की परिषद (एनसीडब्ल्यूए) के उपाध्यक्ष, श्री उमेश बहादुर मल्ला ने इस तथ्य को रेखांकित किया कि नेपाल की विदेश नीति को अन्य देशों के हितों को ध्यान में रखते हुए अपनी घरेलू जरूरतों और प्राथमिकताओं का जवाब देना चाहिए।

उन्होंने व्यापार घाटे, आर्थिक और व्यापार विविधीकरण, कृषि, पर्यटन, निर्यात उन्मुख उत्पादन के विकास, बिजली उत्पादन और परिवहन कनेक्टिविटी से संबंधित मुद्दों के अलावा, भारत के साथ द्विपक्षीय साझेदारी को रणनीतिक साझेदारी में उन्नत करने का भी प्रस्ताव रखा। प्रो. एस.डी. मुनि ने भारत-नेपाल संबंधों में बदलाव की आवश्यकता पर बल दिया क्योंकि भारत और नेपाल दोनों के मध्य विगत वर्षों में काफी बदलाव हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में भारत के साथ एशिया के वैश्विक गुरुत्वाकर्षण केंद्र के बदलाव के कारण भारत-नेपाल क्षेत्र बदल गया है और एक महत्वाकांक्षी नेपाल भारत-प्रशांत क्षेत्र में अपनी भूमिका निभा रहा है। प्रो. महेंद्र पी. लामा ने तर्क दिया कि वृद्धिशील दृष्टिकोण को किसी भी समय और कहीं भी लाया जा सकता है, जबकि परिवर्तनकारी मैट्रिक्स के लिए सोच प्रक्रिया में एक बड़े बदलाव की आवश्यकता होती है। वे मानते हैं कि राजमार्ग, रेलवे और अंतर्देशीय जलमार्ग जैसी परिवर्तनकारी परियोजनाओं के निर्माण के लिए, व्यापार, सहायता, विदेशी आर्थिक सहायता और निवेश चारों आर्थिक साधनों की वैज्ञानिक, सुविचारित नीति की आवश्यकता है। यह चर्चा भारत और नेपाल के प्रधानमंत्रियों को सौंपे जाने वाले प्रमुख व्यक्तियों के समूह (ईपीजी) की संयुक्त रिपोर्ट और परिवहन और ऊर्जा कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में बीबीआईन के ढांचे के अंतर्गत पड़ोसी दक्षिण एशियाई देशों के बीच सहयोग के संभावित क्षेत्रों को भी शामिल करती है।

सप्रू हाउस में 7 फरवरी, 2019 को "लेजिटीमेसी ऑफ पॉवर: द परमानेन्स ऑफ फाइव इन द सेक्यूरिटी कौंसिल" नामक पुस्तक पर चर्चा [एक आईसीडब्ल्यूए प्रकाशन, राजदूत दिलीप सिन्हा द्वारा लिखित]

सप्रू हाउस में, 7 फरवरी 2019 को राजदूत दिलीप सिन्हा द्वारा ''लिजिटिमेसी ऑफ पॉवर: द परमानेंस ऑफ फाइव इन द सिक्योरिटी काउंसिल'' [एक आईसीडब्ल्यूए प्रकाशन] पर एक पुस्तक चर्चा का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम की शुरूआत विश्व मामलों की भारतीय परिषद के महानिदेशक डॉ. टी.सी.ए. राघवन द्वारा दी गई स्वागत टिप्पणी के साथ हुई। इसके बाद, लेखक राजदूत दिलीप सिन्हा द्वारा ''लिजिटिमेसी ऑफ पॉवर: द परमानेंस ऑफ फाइव इन द सिक्योरिटी काउंसिल'' [एक आईसीडब्ल्यूए प्रकाशन] पुस्तक का एक संक्षिप्त परिचय दिया गया। तत्पश्चात् एक पैनल चर्चा हुई और सत्र के पैनलिस्टों में राष्ट्रमंडल राष्ट्र के पूर्व महासचिव और संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत कमलेश शर्मा, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एमेरिटस, प्रो. एस.डी. मुनि, इंस्टीट्यूट ऑफ साउथ एशियन स्टडीज, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के निदेशक, प्रो. सी. राजा मोहन, निदेशक और पुस्तक के लेखक राजदूत दिलीप सिन्हा शामिल थे।

इस चर्चा का संचालन राष्ट्रीय और रणनीतिक मामले, द प्रिंट की संपादक, सुश्री ज्योति मल्होत्रा ने किया।

25 फरवरी 2019 को सप्रू हाउस में [श्री अरविंद गुप्ता द्वारा लिखित] "हाउ इंडिया मैनेज इट्स नेशनल सिक्योरिटी" पर पुस्तक चर्चा का आयोजन किया गया।

आईसीएडब्ल्यूए ने 25 फरवरी 2019 को, सप्रू हाउस में विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन (वीआईएफ) के निदेशक और पूर्व उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डॉ. अरविंद गुप्ता द्वारा ''हाउ इंडिया मैनेज इट्स नेशनल सिक्योरिटी'' पर एक पुस्तक चर्चा आयोजित की। भारतीय अंतर्राष्ट्रीय केंद्र के अध्यक्ष और जम्मू और कश्मीर के भूतपूर्व राज्यपाल, श्री एन.एन. वोहरा ने अपने प्रारंभिक उद्बोधन में, इस बात पर प्रकाश डाला कि राष्ट्रीय सुरक्षा, सुरक्षा के हर पहलू को अपनाती है और वास्तविक और व्यवहारिक रूप से राष्ट्रीय सुरक्षा के समग्र दृष्टिकोण की सिफारिश की।

वीआईएफ के निदेशक डॉ. अरविंद गुप्ता ने कहा कि भारत में राष्ट्रीय सुरक्षा और विभिन्न शैक्षणिक विषयों के बीच एक अंतराल/दूरी है। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा और विभिन्न शैक्षणिक विषयों के बीच अधिक तालमेल की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पुलवामा जम्मू और कश्मीर में छद्म युद्ध की तीव्रता का परिणाम है। लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) एस.एल. नरसिम्हन ने तर्क दिया कि अनुसंधान और विकास में निवेश को सरकार द्वारा संचालित किया जाना चाहिए। उन्होंने इस संबंध में चीन को एक अच्छा उदाहरण बताया। श्री नितिन ए. गोखले ने जोर देकर कहा कि पूरे भारत के दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों के विश्वविद्यालयों और चिंतकों के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा पर विचार-विमर्श करना आवश्यक है। इसके अलावा उन्होंने डॉ. अरविंद गुप्ता द्वारा विभिन्न भारतीय भाषाओं में पुस्तक का अनुवाद करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

1 मार्च, 2019 को, सप्रू हाउस में, आईसीडब्ल्यूए ने दक्षिण एवं मध्य एशिया डिवीजन की उपनिदेशक, नीति नियोजन और अनुसंधान एजेंसी, विदेश मामलों के मंत्रालय, इंडोनेशिया गणराज्य सुश्री अर्नावती के नेतृत्व में आए एक इंडोनेशियाई प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक आयोजित की गई।

1 मार्च, 2019 को, सप्रू हाउस में, आईसीडब्ल्यूए ने दक्षिण एवं मध्य एशिया डिवीजन की उपनिदेशक, नीति नियोजन और अनुसंधान एजेंसी, विदेश मामलों के मंत्रालय, इंडोनेशिया गणराज्य सुश्री अर्नावती के नेतृत्व में आए एक इंडोनेशियाई प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक आयोजित की गई। सम्मेलन कक्ष, सप्रू हाउस, नई दिल्ली में आयोजित इस सम्मेलन की अध्यक्षता आईसीडब्ल्यूए की संयुक्त सचिव सुश्री नूतन कपूर महावर ने की। इंडोनेशियाई प्रतिनिधिमंडल में इंडोनेशिया गणराज्य के विदेश मंत्रालय के नीति नियोजन और अनुसंधान एजेंसी के दक्षिण और मध्य एशिया प्रभाग की उप निदेशक सुश्री अर्नावती, सहायक उप निदेशक, सुश्री इदा हुमैदा और नई दिल्ली स्थित इंडोनेशिया के काउंसलर मंत्री, श्री नॉरिजल शामिल थे। आईसीडब्ल्यूए का प्रतिनिधित्व डॉ. स्तुति बनर्जी, आरएफ, आईसीडब्ल्यूए, डॉ. प्रज्ञा पांडे, आरएफ, आईसीडब्ल्यूए और डॉ. तमजनमरन आओ, आरएफ, आईसीडब्ल्यूए द्वारा किया गया था।

सप्रू हाउस में 5 मार्च, 2019 को महामहिम, राजदूत मोनिका के. जुमा, डी फिल, सीबीएस, कैबिनेट सचिव, विदेश मंत्रालय, केन्या गणराज्य, द्वारा व्याख्यान

विश्व मामलों की भारतीय परिषद (आईसीडब्ल्यूए) ने डॉ. मोनिका जुमा, डी. फिल., कैबिनेट सचिव, विदेश मंत्रालय, केन्या गणराज्य द्वारा 5 मार्च, 2019 को एक वार्ता का आयोजन किया। डॉ. मोनिका जुमा दो दिन की आधिकारिक भारत यात्रा पर थीं।

डॉ. जुमा ने एक बदलती विश्व व्यवस्था में अफ्रीका-भारत संबंध कैसे उपयुक्त हैं इस पर बात की। आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक, डॉ. टी.सी.ए. राघवन ने परिषद में प्रतिष्ठित वक्ता का स्वागत किया और इस कार्यक्रम की अध्यक्षता केन्या में भारत के पूर्व उच्चायुक्त, राजदूत राजीव के भाटिया ने की। उन्होंने यह भी कहा कि अफ्रीका में कॉन्टिनेंटल फ्री ट्रेड एरिया (सीएफटीए) क्षेत्र को डिजिटल रूप से प्रबंधित करने के लिए भारत-अफ्रीका सहयोग का एक क्षेत्र हो सकता है। भारत-अफ्रीका सहयोग के कई अन्य क्षेत्रों को रेखांकित करते हुए, डॉ. जुमा ने कहा कि सहयोग के पीछे मूल विचार विकास के लिए जोखिम और भेद्यता को कम करना है।

सप्रू हाउस में, 7 मार्च, 2019 को गाम्बिया के विदेशी मामलों, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और विदेशों में रहने वाले गाम्बिया के लोगों के मंत्री, महामहिम डॉ. ममादौ तंगारा द्वारा व्याख्यान।

विश्व मामलों की भारतीय परिषद (आईसीडब्ल्यूए) ने 7 मार्च 2019 को सप्रू हाउस में गाम्बिया गणराज्य के विदेश मामलों, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और विदेश में रहने वाले गाम्बिया के लोगों के मंत्री महामहिम डॉ. ममादौ तांगारा द्वारा ''मल्टीलेटरिज्म एण्ड इट्स रोल इन बिल्डिंग एण्ड ससटेनिंग पीस इन अफ्रीका एण्ड एशिया' विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया। आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक, डॉ. टी.सी.ए. राघवन, आईसीडब्ल्यूए द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। व्याख्यान की अध्यक्षता राजदूत एचएच विश्वनाथन, विशिष्ट अध्येता, पर्यवेक्षक अनुसंधान फाउंडेशन (ओआरएफ) ने की। डॉ. मामादौ तंगारा ने अपनी वार्ता अफ्रीका में संघर्षों के संदर्भ में बहुपक्षवाद पर केंद्रित रखी। उन्होंने महंगे शांति स्थापना कार्यों में निवेश करने की बजाय प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के संघर्ष की रोकथाम में प्रयासों की सराहना करते हुए अपनी बात शुरू की। मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र के सदस्य राष्ट्रों के बीच एक नए सिरे से निवारक कार्रवाई की ओर बढ़ने, शांति निर्माण और शांति कार्यों में आर्थिक विचारों को साकार करने पर प्रकाश डाला।

अफ्रीका के संबंध में, डॉ. ममादो तंगारा ने संघर्ष की विभिन्न स्थितियों को रोकने के लिए अफ्रीकी संघ, ईसीओडब्ल्यूएएस, एसएडीसी जैसी क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय व्यवस्थाओं के साथ संयुक्त राष्ट्र के सहयोग के बारे में बात की। उन्होंने रेखांकित किया कि

संयुक्त राष्ट्र, क्षेत्रीय निकायों और सेनेगल, चाड और इक्वेटोरियल गिनी जैसे समर्थक पड़ोसी देशों ने 2017 में गाम्बिया को चुनाव के दौरान एक बड़े संघर्ष से बचा लिया। गाम्बिया के लोगों की परिपूर्ण दृष्टि और कड़ी मेहनत ने तानाशाही शासन के बाईस वर्ष बाद लोकतांत्रिक मूल्यों को पुनर्स्थापित किया। भारत अफ्रीका संबंधों के संदर्भ में, विदेश मंत्री ने कहा कि गाम्बिया में भारतीय प्रवासियों की एक बड़ी उपस्थिति है। उन्होंने गाम्बिया में गाम्बियाई अर्थव्यवस्था और समाज में भारतीयों के सकारात्मक योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारतीय अच्छी तरह से एकीकृत थे।

पहला आईसीडब्ल्यूए - इंस्टीट्यूट फॉर पॉलिटिकल एंड इंटरनेशनल स्टडीज (आईपीआईएस) संवाद, तेहरान, 12-13 मार्च, 2019

विश्व मामलों की भारतीय परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और इंस्टीट्यूट फॉर पॉलिटिकल एंड इंटरनेशनल स्टडीज (आईपीआईओस) के बीच उद्घाटन वार्ता 12-13 मार्च, 2019 को तेहरान में हुई थी। बातचीत में विश्व की राजनीति और वैश्विक रुझानों, दक्षिण और मध्य एशिया विकास और भारत-ईरान द्विपक्षीय संबंधों पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया।

आईसीडब्ल्यूए. आईसीडब्ल्यूए प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व राजदूत डॉ. टी.सी.ए. राघवन, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए ने किया और इसमें राजदूत गौतम मुखोपाध्याय, नेल्सन मंडेला सेंटर फॉर पीस एंड कॉन्फ्लिक्ट रिजोल्यूशन, जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. महताब आलम रिजवी, ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के प्रतिष्ठित अध्येता, श्री नंदन उन्नीकृष्णन और आईसीडब्ल्यूए की शोध अध्येता डॉ. दीपिका सारस्वत शामिल थे। उनके साथ राजदूत ईरान में भारतीय राजदूत गद्दाम धर्मेंद्र, भारतीय दूतावास, तेहरान के डीसीएम, श्री देवेश उत्तम और भारतीय दूतावास के अन्य सदस्य भी शामिल हुए थे।

आईपीआईएस के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व आईपीआईएस के राष्ट्रपति, डॉ. सैयद काजिम सज्जादपुर ने किया और इसमें राजदूत मीर मोहम्मद मौसवी, भारत में पूर्व राजदूत, अलीरजा बिकडेली, वरिष्ठ अध्येता, आईपीआईएस, मोहम्मद शीबानी, वरिष्ठ अध्येता, आईपीआईएस, अल्लमेह तबातबाई विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर डॉ. मंदाना तिशीर और अल्लमेह तबातबाई विश्वविद्यालय, तेहरान में एसोसिएट प्रोफेसर मुजैद्रेजा मोमेनी और आईपीआईएस के कई अन्य सदस्य भी शामिल थे। डॉ. टी.सी.ए. राघवन ने सत्र में विश्व राजनीति और वैश्विक रुझानों पर बात की। विश्व के साथ भारत के संबंधों पर स्थायी प्रभाव डालने वाली, वर्ष 1919 और 2019 के बीच की विभिन्न ऐतिहासिक उपलब्धियों को देखते हुए डॉ. राघवन ने 1919 के बारे में तत्कालीन औपनिवेशिक दुनिया में चार प्रमुख क्रांतियों के वर्ष के रूप में बात की थी। अमृतसर नरसंहार ने उपनिवेश-विरोधी संघर्ष को तीव्रता दी और चीन, कोरिया और मिस्र में मई आंदोलन इस मायने में महत्वपूर्ण था कि इससे पूर्व और पश्चिम के बीच संबंधों में बदलाव आने लगे। इस वर्ष प्रणाली के बहुपक्षवाद और लोकतंत्रीकरण में भारत की भागीदारी की शताब्दी की घटना है, भारत 1919 में राष्ट्र संघ में शामिल हुआ था।

आईपीआईएस के राष्ट्रपति, डॉ. सैयद काजिम सज्जादपुर ने एक वैचारिक हिसाब दिया कि वैश्विक राजनीति को वंशानुक्रम और वंशजता, को अमेरिकी दुविधा और एशियाई दुविधा के संदर्भ में कैसे देखा जा सकता है। भारत-ईरान संबंधों पर बदलती स्थिति के प्रभाव पर, उन्होंने तर्क दिया कि दुनियाजैसी है उसे वैसा ही समझने का, सामरिक महत्व है। उद्देश्य विश्लेषण एक रणनीतिक वस्तु है। जबकि नीति को मानक और विश्लेषण उद्देश्यपूर्ण होना चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि भारत, क्षेत्रीय और वैश्विक दोनों रूप से एक विशेष मामला है। ईरान में भारतीय राजदूत गद्दाम धर्मेंद्र ने देखा कि दोनों देशों के बीच यात्राओं के आदान-प्रदान की संख्या और चिंतकों के स्तर सहित संबंधों का विस्तार किस प्रकार हो रहा है।उन्होंने पश्चिमी कथा से परे एक-दूसरे के दृष्टिकोण की बेहतर प्रशंसा के लिए संस्थागत जुड़ाव के महत्व और ट्रैक 2 पर संबंधों के विस्तार तथा 1.5 स्तरों को ट्रैक करने की आवश्यकता पर ध्यान दिया।

सप्रू हाउस में 19 मार्च 2019 को "पाकिस्तान और जम्मू-कश्मीर में हाल के विकास" पर एक दिवसीय सेमिनार

विश्व मामलों की भारतीय परिषद (आईसीडब्ल्यूए) ने 19 मार्च, 2019 को पाकिस्तान और जम्मू-कश्मीर में हालिया विकास पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। श्री राघवेन्द्र सिंह, सचिव, कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार 1947-48 में गिलगिट पर दो सत्र और एक मुख्य भाषण का आयोजन किया गया था।

सेमिनार का आरंभ आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक, राजदूत डॉ. टी. सी.ए. राघवन के स्वागत भाषण से हुआ जिससे उन्होंने संगोष्ठी का विषय निर्धारित किया। पहले तकनीकी सत्र की अध्यक्षता पाकिस्तान में भारत के पूर्व उच्चायुक्त, राजदूत एस.के. लाम्बा ने की थी। पैनल में डॉ. अशोक बेहुरिया, श्री सेंज एच. सेरिंग और डॉ. आशीष शुक्ला शामिल थे। दूसरे सत्र की अध्यक्षता पाकिस्तान में भारत के पूर्व उच्चायुक्त राजदूत जी. पार्थसारथी ने की। पैनेल में प्रो. के. वारिकू, श्री दौलत अली और डॉ. ध्रुवज्योति भट्टाचार्य शामिल थे। मुख्य भाषण श्री राघवेंद्र सिंह द्वारा दिया गया था, जिन्होंने विभिन्न वर्गीकृत और अ-वर्गीकृत स्रोतों के आधार पर, 1947-48 के दौरान गिलगित की जमीनी स्थिति का आकलन करने का प्रयास किया था। श्री सिंह ने इस तथ्य को सफलतापूर्वक स्थापित किया कि गिलगित-बाल्टिस्तान कानूनी रूप से जम्मू और कश्मीर की रियासत का हिस्सा था और जुलाई 1947 में अंग्रेजों के साथ पट्टे की समाप्ति के साथ ही इस क्षेत्र पर जम्मू और कश्मीर के महाराजा अधिकार हो गया था।

सातवीं भारत-सऊदी अरब कार्यशाला, आईसीडब्ल्यूए-पीएसएआईडीएस, सऊदी अरब संवाद, रियाद, 26-27 मार्च, 2019

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 03 अप्रैल 2016 की सऊदी अरब यात्रा के समय हस्ताक्षरित कार्यक्रम के सहयोग के अंतर्गत, सातवीं भारत-सऊदी वार्ता को विश्व मामलों की भारतीय परिषद और प्रिंस अल फैसल इंस्टीट्यूट ऑफ डिप्लोमैटिक स्टडीज (पीएसएआईडीएस) द्वारा आयोजित की गई थी। 3 अप्रैल 2016 को रियाद में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने से पहले दोनों पक्षों के बीच ट्रैक द्वितीय संवाद के चार दौर आयोजित किए गए थे। इस वार्ता का उद्देश्य भारत और सऊदी अरब के बीच बेहतर समझ और संबंधों में योगदान देने वाली गतिविधियों को बढ़ावा देना और उनका समर्थन करना है। 26 मार्च 2019 को रियाद में सातवीं भारत-सऊदी अरब कार्यशाला पीएसएआईडीएस द्वारा आयोजित की गई थी। संवाद के विषय, मुख्य रूप से तेजी से बदलते भारत-सऊदी जुड़ाव से लेकर रणनीतिक, ऊर्जा सहयोग में नई संभावनाएं, ऊर्जा सहयोग में निवेश की संभावनाओं, उभरते सहयोग के एक वाहक के रूप में निवेश संबंधों, सुरक्षा और रक्षा सहयोग में नए क्षेत्रों की खोज, सऊदी विजन 2030 के अनुसार भारत में अवसरों, तेल, व्यापार में आर्थिक सहयोग, सऊदी-भारत संबंधों के भविष्य और खाड़ी क्षेत्र तथा दक्षिण एशिया सहित क्षेत्रीय भूराजनीति में प्रमुख राष्ट्रीय हितों के लिए चुनौतियों के मूल्यांकन पर केंद्रित रहे। दो प्रतिष्ठित थिंक टैंक (चिंतक समूह) का प्रतिनिधि त्व करने वाले वक्ताओं ने भारत-सऊदी संबंधों पर बात की, जिन्होंने एक नई दृष्टि और दृष्टिकोण के साथ द्विपक्षीय संबंधों में सहयोग को और मजबूत करने के लिए उत्साह और इच्छा प्रदर्शित की है। सऊदी अरब लंबे समय से एक महत्वपूर्ण भारतीय व्यापार भागीदार है और भारत के लिए ऊर्जा का एक महत्वपूर्ण स्रोत बना हुआ है। संवर्धित सुरक्षा सहयोग ने नई दिल्ली और रियाद के बीच द्विपक्षीय संबंधों में एक नया आयाम जोड़ा है। आज, दोनों देश आपसी हितों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जिसमें सुरक्षा के मुद्दे, आतंकवाद और उन्हें आर्थिक और रणनीतिक रूप से जोड़ना शामिल हैं।

सप्रू हाउस में 29 मार्च, 2019 को 'अफगानिस्तान' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन'

विश्व मामलों की भारतीय परिषद (आईसीडब्ल्यूए) ने 29 मार्च 2019 को ''इंडिया अफगानिस्तान रिलेशन्स: अ रोड अहेड'' आगे की राहश पर एक अंतरराष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया। यह गोलमेज सम्मेलन सप्रू हाउस और होटल लीला पैलेस, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम चैटम हाउस नियमों के अंतर्गत था। इसमें दो खंड शामिल थे, एक खंड दो शैक्षिक सत्रों के साथ सप्रू हाउस में आयोजित किया गया था और दूसरे खंड में मुख्य संबोधन के दौरान होटल लीला पैलेस में रात्रिभोज के समय एक बैठक आयोजित की गई थी। इस गोलमेज सम्मेलन को अफगानिस्तान में चल रही कई शांति प्रक्रियाओं और अंतर-अफगान सुलह वार्ता की दिशा में विभिन्न दृष्टिकोण ों को समझने के लिए आयोजित किया गया था। अफगानिस्तान के प्रतिभागियों ने विभिन्न क्षेत्रों, जातीयताओं और राजनीतिक दृष्टिकोणों का प्रतिनिधित्व किया।

आईएएफएस तृतीय: तीसरा आईसीडब्ल्यूए भारत-अफ्रीका वार्षिक शैक्षिक सम्मेलन, स्थान: अदीस अबाबा, इथियोपिया, 29-30 मार्च, 2019

विश्व मामलों की भारतीय परिषद (आईसीडब्ल्यूए) ने 29-30 मार्च 2019 को इथियोपिया के अदीस अबाबा में भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन तृतीय के अंतर्गत तीसरा भारत-अफ्रीका सम्मेलन आयोजित किया। सम्मेलन का विषय था ''इंडियाज एन्गेजमेन्ट विद नार्थ अफ्रीका एण्ड हार्न आफ अफ्रीका: इश्यूज, इनिशिएटिवज एण्ड प्रोसपैक्टस''। आईसीडब्ल्यूए, गणमान्य व्यक्तियों और अन्य सभी प्रतिभागियों ने सम्मेलन की शुरुआत से पहले एक मिनट का मौन रखकर, मार्च 2019 में इथियोपिया एयरलाइंस दुर्घटना के मृतकों को श्रद्धांजलि दी। सम्मेलन में अफ्रीका की उच्च स्तरीय भागीदारी देखी गई। इथियोपिया के संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य के विदेश मामलों के राज्य मंत्री, महामहिम राजदूत मार्कोस टेकले (पीएचडी) ने उद्घाटन सत्र को संबोधित किया; और इथियोपिया के संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य के व्यापार और उद्योग राज्य मंत्री, महामहिम श्री टेका गेब्रेयस ने सम्मेलन में समापन भाषण दिया। दो दिवसीय विचार-विमर्श और

चर्चा में उत्तरी अफ्रीका के दस देशों और अफ्रीका के हॉर्न (चाड, जिबूती, मिस्र, इथियोपिया, इरिट्रिया, लीबिया, मोरक्को, सोमालिया, सूडान और दक्षिण सूडान) के प्रतिनिधि और इथियोपिया और अफ्रीकी संघ (एयू) के विशेषज्ञों, विद्वानों और अधिकारियों ने भाग लिया। सम्मेलन में वैश्विक राजनीतिक संवाद और कूटनीति; सुरक्षा और रणनीति; व्यापार, आर्थिक और विकास साझेदारी; और भारत और उत्तरी एवं अफ्रीका के हॉर्न के बीच लोगों के आपसी संबंधों से संबंधित मुद्दों को आवृत करने वाले चार तकनीकी सत्र थे। 4-5 जनवरी, 2019 को एम एस रमैया प्रौद्योगिकी संस्थान, एम एस रमैय्या नगर, एमएसआरआईटी पोस्ट, बंगलौर, कर्नाटक द्वारा ईसीडब्ल्यूए के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के आउटरीच कार्यक्रम को आयोजित किया गया था।

आईसीडब्ल्यूए के आउटरीच कार्यक्रम

आईसीडब्ल्यूए और रमैया इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बैंगलोर ने 4-5 जनवरी 2019 को, डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, रमैया इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बैंगलोर में संयुक्त रूप से "न्यू डायरेक्शन्स इन फारेन पॉलिसी: पीपुल, पालिटिक्स एण्ड इकानॉमिक पावर" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

सम्मेलन ने अतीत के भारतीय विदेश नीति के सबक और आने वाले वर्षों के, प्रवासी और विदेश नीति, आर्थिक संबंधों और भारत की विदेश नीति पर प्रमुख सांस्कृतिक मूल्यों के प्रभाव के बारे में विचार-विमर्श किया। डॉ. समथा मल्लेम्पति, शोध अध्येता, आईसीडब्ल्यूए ने भारत की पड़ोस नीति पर बात की।

खालीकोट विश्वविद्यालय, बरहमपुर, ओडिशा में, 23-24 जनवरी, 2019 को दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

खालीकोट विश्वविद्यालय, बरहमपुर, ओडिशा में 23 और 24 जनवरी, 2019 को "रिर्सोस एफिसियेन्सी, ससटेन्बिलिटी एण्ड ग्लाबीलाईजेशन: एक्सप्लेरिंग इंडिया-यूरोपियन यूनियन कापरेशन" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसे खालीकोट विश्वविद्यालय, बरहमपुर और भारतीय विश्व मामल परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था। सम्मेलन में विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, चिंतकों और सिविल सोसाइटी संगठनों के शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और नीति निर्माताओं ने भाग लिया।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, बनारस, उत्तर प्रदेश द्वारा 24-25 जनवरी, 2019 को दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) ने प्रवासी पहल संगठन (ओडीआई) के साथ साझेदारी में 24-25 जनवरी, 2019 को बीएचयू में ''इंडिकआईडेन्टिटी आफ इंडियन डाससपोरा: इट्स हिस्टोरिकल, फिलोसोफिकल एण्ड् कन्टम्परेरी कन्ट्रीब्यूशन टू द वर्ल्ड एण्ड इंडिया" पर सम्मेलन आयोजित किया। दो दिवसीय सम्मेलन एक उद्घाटन सत्र के साथ शुरू हुआ, उसके बाद दो दिनों में पाँच समानांतर तकनीकी सत्रों और एक समापन सत्र के साथ यह समाप्त हुआ। डॉ. सुरभि सिंह, शोध अध्येता, आईसीडब्ल्यूए ने टू डे इंटरनेशनल कन्वेंशन पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, जिसका आयोजन स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 30 जनवरी - 1 फरवरी, 2019 को किया गया था।

आईसीडब्ल्यूए, 30 जनवरी से 1 फरवरी, 2019 तक स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय अध्ययन सम्मेलन 2019 में एक भागीदार संस्थान था। अधिवेशन का विषय था "असेन्डिग इंडिया: रिफलेक्शन आन ग्लोबल एण्ड रीजनल डायमेन्शन।"

अधिवेशन में दिल्ली के बाहर के पचास से अधिक शोधकर्ताओं और जेएनयू के एक सो पचास से अधिक शोधकर्ताओं और दिल्ली/एनसीआर के पैंतालीस से अधिक शोधकर्ताओं ने भाग लिया। मुख्य भाषण राजदूत शिव शंकर मेनन द्वारा और उद्घाटन भाषण प्रो. एस.डी. मुनि द्वारा दिया गया था। आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक, राजदूत डॉ. टी.सी.ए. राघवन ने अपने संबोधन में भारतीय विदेश नीति के संचालन के संरचनात्मक मुद्दों का उल्लेख किया।

सेंट जेवियर्स कॉलेज (स्वायत्त), मुंबई, महाराष्ट्र द्वारा 7 फरवरी, 2019 को आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

सेंट जेवियर्स कॉलेज (स्वायत्त), मुंबई द्वारा 07 फरवरी, 2019 को ''जियो-पालिटिकल चेलेन्जेज-इंडिया एण्ड हर नेबर'' पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था। इसे आईसीडब्ल्यूए, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित किया गया था। वाइस एडमिरल गिरीश लूथरा पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम, एडीसी, फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, भारतीय नौसेना के पश्चिमी नौसेना कमान ने मुख्य भाषण दिया। जीएक दिवसीय संगोष्ठी में देश भर के विभिन्न संस्थानों के वक्ताओं ने भाग लिया। विषयों में भारत की सुरक्षा चुनौतियां, तिब्बत का महत्व, चीन-पाकिस्तान की मिलीभगत और बदलते भू-राजनीतिक वातावरण के समुद्री पहलू शामिल थे। डॉ. पुयम राकेश सिंह, शोध अध्येता, आईसीडब्ल्यूए ने सम्मेलन में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया

कोलकाता सोसायटी फॉर एशियन स्टडीज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल में 23-24 जनवरी, 2019 को दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित।

कोलकाता सोसायटी फॉर एशियन स्टडीज (केएसएएस) ने आईसीडब्ल्यूए के सहयोग से और इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन पॉलिसी स्टडीज और सेंटर फॉर सोशल साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज, कलकत्ता विश्वविद्यालय की साझेदारी में, 18-19 फरवरी, 2019 को कोलकाता में ''कोन्टूएर्स आफ इंडियन एक्ट ईस्ट पॉलिसी अर्पच्यूनिज्म, चैलेन्जेज एण्ड फ्यूर्चस्टिक ट्रेण्डस इन इंडिया-आसियान पार्टनरशिप'' भारत-आसियान साझेदारी में अवसर, चुनौतियां और भविष्यवादी रुझान" पर दो दिनों के राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इस दो दिवसीय सम्मेलन में आईसीडब्ल्यूए के डॉ. टेम्जेनमरेन एओ ने हिस्सा लिया।

पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुडुचेरी द्वारा 21-22 फरवरी, 2019 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

यूजीसी सेंटर फॉर मैरीटाइम स्टडीज, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज और इंटरनेशनल स्टडीज, पांडिचेरी विश्वविद्यालय ने 21-22 फरवरी, 2019 से ''इंडो-पैसिफिक: इमर्जिंग डायनेमिक्स'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। दो दिवसीय सम्मेलन में इंडो-पैसिफिक में उभरती गतिशीलता पर विचार-विमर्श किया गया, जिसमें क्वाड का पुन: उदय, आसियान की केंद्रीयता, ब्लू इकोनॉमी आदि विभिन्न रुझानों पर चर्चा की गई। सम्मेलन ने इस जटिल भू-राजनीतिक परिदृश्य के बारे में भारतीय दृष्टिकोण और क्षेत्र में इसकी पहुंच के तरीके पर भी चर्चा की। आईसीडब्ल्यूए की शोध अध्येता, डॉ. अंकिता दत्ता ने सम्मेलन में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड, रांची, झारखंड द्वारा 2019 21-22 फरवरी, 2019 को दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

21-22 फरवरी, 2019 को, झारखंड के केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय ने दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इसे भारतीय विश्व मामला परिषद और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा सह-प्रायोजित किया गया था। सम्मेलन में देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के वक्ता थे। बांग्लादेश और श्रीलंका से भी शोध पत्र प्रस्तुतकर्ता आए थे। आईसीडब्ल्यूए के शोध अध्येता डॉ. पूयम राकेश सिंह ने उद्घाटन सत्र में संबोधन भाषण दिया और कार्यक्रम के पहले दिन एक सत्र की अध्यक्षता की।

जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा 27-28 फरवरी, 2019 को आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

एमएमएजे अकादमी ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली के सेंट्रल एशियन स्टडीज के यूजीसी-आर्कियोलॉजी ने 27-28 फरवरी 2019 को, हो ची मिन्ह कॉन्फ्रेंस हॉल, जेएमआई, नई दिल्ली में ''पोस्ट कोल्ड वार ग्रैन्ड स्ट्रैटजी इन यूरेशिया: इम्पीलीकेशन्स फार सेन्ट्रल एशिया एण्ड इंडिया'' पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया। संगोष्ठी को आंशिक रूप से आईसीडब्ल्यूए द्वारा वित्त पोषित किया गया था। आईसीडब्ल्यूए से डॉ अतहर जफर ने इस दो दिवसीय सम्मेलन में भाग लिया।

केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब, भटिंडा, पंजाब द्वारा 7-8 मार्च, 2019 को दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ पंजाब भटिंडा के डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक स्टडीज ने 7-8 मार्च, 2019 को "रिविजिटिंग इंडिया-ईस्ट एशिया कनेक्शन्स: प्रॉब्लम्स एंड प्रॉस्पेक्ट्स" नामक दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन को आईसीडब्ल्यूए द्वारा समर्थित किया गया। भारत के विभिन्न हिस्सों के 50 से अधिक विशेषज्ञों ने राष्ट्रीय संगोष्ठी में अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। डॉ. संजीव कुमार, शोध अध्येता, आईसीडब्ल्यूए ने परिषद का प्रतिनिधित्व किया और सम्मेलन में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

विवेकानंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस फॉर वूमेन, तिरुचेनगोडे, तमिलनाडु में 12-13 मार्च, 2019 को दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

विवेकानंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस फॉर वूमेन, तिरुचेंगोड, तमिलनाडु द्वारा 12-13 मार्च, 2019 को "भारत-पाकिस्तान: फ्यूचरिस्टिक ट्रेड एंड इकोनॉमिक रिलेशन्स" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन, आयोजित किया गया था। इसे आईसीडब्ल्यूए, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित किया गया था। यह एशिया का सबसे बड़ा निजी महिला कॉलेज है।

दो दिवसीय संगोष्ठी में देश भर के विभिन्न संस्थानों के वक्ताओं ने भाग लिया। डॉ. ध्रुबज्योति भट्टाचार्जी, शोध अध्येता, आईसीडब्ल्यूए, उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि थे और उन्होंने सभी तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता की।

जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा 13-14 मार्च, 2019 को दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन अकादमी, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली ने 13-14 मार्च 2019 को ''स्टेटस अपडेट ऑन इंटरनेशनल एंड एरिया स्टडीज'' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। मुख्य भाषण प्रोफेसर राजन हर्षे द्वारा दिया गया था। समापन व्याख्यान राजदूत शिवशंकर मेनन ने दिया था। संगोष्ठी का आयोजन आईसीडब्ल्यूए के एकेडमी ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज के तीन दशकों का उत्सव मनाने के लिए किया गया था। आईसीडब्ल्यूए के शोध अध्येता, डॉ फज्जुर रहमान सिद्दीकी ने आईसीडब्ल्यूए का प्रतिनिधित्व किया।

रक्षा अध्ययन विभाग, मेरठ कॉलेज, मेरठ, यूपी द्वारा 17-18 मार्च, 2019 को दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

रक्षा अध्ययन विभाग, मेरठ कॉलेज, मेरठ में 17-18 मार्च 2019 को ''कश्मीर प्राब्लम एण्ड इंडिया पाकिस्तान रिलेशन्स'' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। सम्मेलन को आईसीडब्ल्यूए द्वारा समर्थित किया गया था। भारत के विभिन्न हिस्सों के 50 से अधिक विशेषज्ञों ने राष्ट्रीय संगोष्ठी में अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। आईसीडब्ल्यूए के शोध अध्येता डॉ. ध्रबज्योति भट्टाचार्जी, डॉ. संजीव कुमार और डॉ. अतहर जफर ने विभिन्न तकनीकी सत्रों में शोधपत्र प्रस्तुत किए।

दो दिवसीय हिंदी सेमिनार, डिपार्टमेंट ऑफ सिविक्स - पॉलिटिक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ मुंबई, मुंबई, 18-19 मार्च, 2019

मुंबई ने 18-19 मार्च 2019 को ''भारत पाकिस्तान संबंध: आंतकवाद एक मुद्दा'' पर हिंदी में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। सम्मेलन को आईसीडब्ल्यूए द्वारा समर्थित किया गया था। हिंदी में सहज कई वक्ताओं ने दो दिवसीय संगोष्ठी में भाग लिया और राष्ट्रीय संगोष्ठी में अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। आईसीडब्ल्यूए के शोध अध्येता डॉ. राकेश कुमार मीना ने संगोष्ठी में एक पत्र प्रस्तुत किया।

दक्षिण पूर्व एशियाई और प्रशांत अध्ययन केंद्र, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति द्वारा 18-19 अप्रैल, 2019 को दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

दक्षिण-पूर्वी एशियाई और प्रशांत अध्ययन केंद्र, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति ने 18-19 मार्च 2019 को ''इंडिया-वियतनाम रिलेशन्स ओ द प्रिज्म ऑफ गाँधियन एण्ड् हो ची चिन्ह फिलीसिफी'' नामक दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन के दौरान, भारत और वियतनाम के बीच ऐतिहासिक से लेकर वर्तमान परिप्रेक्ष्य तक की रणनीतिक साझेदारी पर चर्चाएँ हुईं। आईसीडब्ल्यूए केंद्र आईसीडब्ल्यूए का एक समझौता ज्ञापन भागीदार है। आईसीडब्ल्यूए की शोध अध्येता, डॉ. इंद्राणी तालुकदार ने सम्मेलन में एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

एशियन कंफ्लुएंस, शिलांग, मेघालय द्वारा 18-19 मार्च, 2019 को दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

आईसीडब्ल्यूए के सहयोग से एशियन कॉन्फ्लुएंस ने 18-19 मार्च 2019 को मेघालय के अपने यंग स्कॉलर फोरम के चौथे संस्करण का आयोजन किया। इस विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शीर्षक था ''इमर्जिंग यूथ फ्राम द रीजन टू से इनविजन द रीजनल डिस्कोर्स एण्ड एक्शन आन वाटर एण्ड रीवर। इसमें बांग्लादेश, भारत, नेपाल और वियतनाम के विद्वानों ने भाग लिया।आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक डॉ. टी. सी. ए. राघवन ने किया आईसीडब्ल्यूए का प्रतिनिधित्व, उन्होंने और डॉ. तेंजेंमेरेन एओ ने उद्घाटन सत्र में मुख्य भाषण दिया।

जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 18-19 मार्च, 2019 को भारत अरब संस्कृति केंद्र द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

आईसीडब्ल्यूए ने जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में इंडिया अरब कल्चर सेंटर द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन, ''इंडिया, चाईना एण्ड द अरब वर्ल्ड: एक्सपलोरिंग न्यॅ डायनामिक्स'' को प्रायोजित किया। भारत में कुवैत के राजदूत, जासिम अल-नजीम ने उद्घाटन सत्र में सम्मेलन को संबोधित किया। राजदूत चिन्मय गारेखान ने मुख्य भाषण दिया। आईसीडब्ल्यूए की शोध अध्येता, डॉ. दीपिका सारस्वत, सम्मेलन में परिषद का प्रतिनिधित्व किया। राजदूत संजय सिंह ने समापन भाषण दिया।

गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, पंजाब द्वारा 29-30 मार्च, 2019 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

29-30 मार्च, 2019 को गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर के स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, ने भारत की विदेश नीति: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अधीन निरंतरता और परिवर्तन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी को विश्व मामलों की भारतीय परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित किया गया था। इस क्षेत्र के कई विशेषज्ञों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विदेश नीति में निरंतरता और बदलाव पर प्रकाश डाला।

संगोष्ठी में भारतीय विश्व मामला परिषद के शोध अध्येता डॉ, अमित कुमार ने एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

आईसीडब्ल्यूए विश्लेषण (जनवरी - मार्च 2019)

1	डॉ. स्तुति बनर्जी	लैटिन अमेरिका और कैरिबियन में चुनावों का एक अवलोकन
2	डॉ. आशीष शुक्ला	बीबीएन फ्रेमवर्क के अंतर्गत उप-क्षेत्रीय सहयोग: एक विश्लेषण
3	डॉ. अंकिता दत्ता	ब्रेक्सिट कॉउन्ड्रम
4	डॉ. राकेश कुमार मीना	भारत नेपाल संबंध: प्रगाढ़ता के प्रयास
5	डॉ. अंकिता दत्ता	भारत पर यूरोपीय संघ की रणनीति: प्राकृतिक साझेदारी को पुनर्जीवित करने का समय
6	डॉ. प्रज्ञा पांडे	चाइनाज पुश इन द साउथ पेसिफिक: रीजनल जियोपॉलिटिकल इम्प्लिकेशन्स
7	डॉ. फजूर रहमान सिद्दीकी	ए ग्लिमर ऑफ होप इन यमन
8	डॉ. तेंजेंमेरेन एओ	थाईलैंड के आगामी चुनाव
9	डॉ. फजूर रहमान सिद्दीकी और डॉ. डिनोज के उपाध्याय	वारसॉ मध्य पूर्व सम्मेलन और यूरोप और अरब जगत के साथ अमेरिकी संबंधों के
10	डॉ चयनिका डेका	नाइजीरिया के चुनाव: बुहारी से आगे की चुनौतियां
11	डॉ. स्तुति बनर्जी	प्रवासन संकट का मैक्सिको समाधान: सेंट्रल अमेरिका के लिए 'एक मार्शल प्लान'

12	डॉ. तमजनमरन आओ	द इमर्जिंग रिअलाइनमेंट इन साउथईस्ट एशिया
13	डॉ. स्तुति बनर्जी	द यूएस गवर्नमेंट शटडाउन, द कांग्रेस एंड द व्हाइट हाउस
14	डॉ. सुरभि सिंह	द रोमानियन टर्न इन यूरोपियन प्रेसीडेंसी
15	डॉ. ध्रुवज्योति भट्टाचार्य	कुलभूषण जाधव का मामला
16	डॉ. दीनोज कुमार उपाध्याय और डॉ. अतहर जफर	अफगान क्षेत्र में रूस का पुन: प्रवेश - एक चर्चा पत्र
17	डॉ. जोजिन वी. जॉन	प्रधानमंत्री मोदी की कोरिया की आगामी यात्रा: भारत-कोरिया विशेष रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाना
18	डॉ. समता मल्लेम्पति	मालदीव में आगामी संसदीय चुनाव: प्रारंभिक टिप्पणियां
19	डॉ. स्तुति बनर्जी	द डीपनिंग क्राइसिस इन वेनेजुएला: राष्ट्रपति मादुरो एंड जुआन गुएडो
20	डॉ. ध्रुबज्योति भट्टाचार्जी	इजरायल में 2019 चुनाव
21	डॉ. अमित कुमार	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: प्रमुख निष्क्रियता और सक्रिय विकास की सौम्य उपेक्षा की नीति
22	डॉ. आशीष शुक्ला	गिलगित-बाल्टिस्तान में हालिया विकास
23	डॉ. ध्रुबज्योति भट्टाचार्जी	गिलगित-बाल्टिस्तान के पानी और खनिज संसाधनों का दोहन
24	डॉ. सौरभ मिश्रा	चागोस द्वीपसमूह पर आईसीजे सलाहकार राय: भारत से एक अध्ययन

भारतीय त्रैमासिक
अंतर्राष्ट्रीय मामलों की एक पत्रिका
विशेषांक: यूरेशिया
संस्करण 75, अंक 1,
जनवरी - मार्च 2019

आईसीडब्ल्यूए के बारे में

विश्व मामलों की भारतीय परिषद (आईसीडब्ल्यूए) भारत का सबसे पुराना विदेश नीति थिंक टैंक (चिंतक समूह) है, जो विदेश और सुरक्षा नीति के मुद्दों में विशेषज्ञता रखता है। इसे भारत की स्वतंत्रता से पहले 1943 में भारत के पहले प्रधानमंत्री, जवाहरलाल नेहरू की प्रेरणा के अंतर्गत प्रख्यात बुद्धिजीवियों के एक समूह द्वारा स्थापित किया गया था। 2001 में संसद के एक अधिनियम द्वारा विश्व मामलों की भारतीय परिषद को ''राष्ट्रीय महत्व का संस्थान'' घोषित किया गया है।

परिषद अपने आंतरिक संकाय के साथ-साथ बाहरी विशेषज्ञों के माध्यम से नीति अनुसंधान का संचालन करती है। यह नियमित रूप से सम्मेलनों, संगोष्ठियों, गोलमेज चर्चाओं, व्याख्यान और प्रकाशन सहित बौद्धिक गतिविधियों की एक श्रृंखला का आयोजन करता है। यह एक प्रमुख और सुस्थापित पुस्तकालय, वेबसाइट और 'इंडिया क्वार्टरली' नामक एक पत्रिका का रखरखाव करता है। यह अंतर्राष्ट्रीय मामलों में भारत की भूमिका और सरकार और नागरिक समाज नीति के मॉडल और रणनीतियों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने में लगी हुई है, और बहु ट्रैक संवाद और अन्य विदेशी चिंतकों के साथ बातचीत के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है।

न्यूजलेटर आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, बाराखंभा रोड, नई दिल्ली - 110001 द्वारा प्रकाशित
वेबसाइट: http%@@www.icwa.in; दूरभाष संख्या 011-23317246 फैक्स नंबर 011-23310638

मेंटर
डॉ. टी.सी.ए. राघवन, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, नई दिल्ली।

संपादक
नूतन कपूर महावर, सयुक्त सचिव, आईसीडब्ल्यूए

प्रबंध संपादक
डॉ. निवेदिता रे, निदेशक अनुसंधान, आईसीडब्ल्यूए

सहायक संपादक
डॉ. ध्रुबज्योति भट्टाचार्जी, शोध अध्येता, आईसीडब्ल्यूए